महेंद्रगढ़. कार्यशाला में अपने विचार रखते विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

मातृभाषा में काम करना गर्व से भर देता है : डॉ. करुणेश

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस के अवसर पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। पूर्व प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश करुणेश इसके मुख्य वक्ता रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने की। कार्यशाला की शुरुआत अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता द्वारा सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गई।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. ओमप्रकाश करुणेश ने कहा कि हम चाहे कितनी भी भाषाओं में प्रवीणता हासिल कर लें, लेकिन अपनी भाषा हिन्दी में काम करना हमें गर्व से भर देता है। अध्यक्ष कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि सन 1953 से पूरे भारत में 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। हकेंवि में केवल हिंदी दिवस का नहीं, बल्कि हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी भाषा में जो सुरीलापन है, वह किसी अन्य भाषा में नहीं है। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. रणवीर सिंह ने विवि में 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले हिंदी पखवाड़े की रूपरेखा बताते हुए कहा कि इसमें विवि के स्टॉफ, विद्यार्थियों, शोधार्थियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए कविता पाठ, स्लोगन, वक्तव्य, निबंध, एवं सुलेख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 29 सितंबर को समापन समारोह में विजेताओं को प्रमाण-पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, कुलसचिव श्री रामदत्त, विभागों के विभागाध्यक्ष, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। मंच संचालन सहायक आचार्य डॉ. अमित एवं पर्यावरण विभाग की सहायक आचार्य डॉ. मोना ने सभी को धन्यवाद दिया।

अपनी भाषा में कार्य करना गर्व से भर देता है : करुणेश

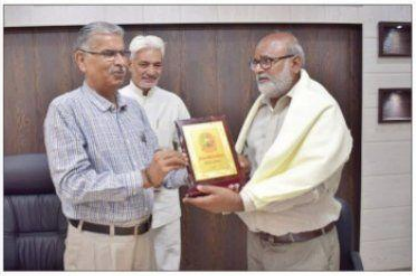

प्रो. कुहाड़ सम्मानित करते हुए। (मोहन)

हिन्दी दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़, 14 सितम्बर (मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.वि.) में हिन्दी दिवस के अवसर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य डा. ओमप्रकाश करुणेश ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने की। कार्यशाला की शुरूआत कार्यक्रम अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता द्वारा सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गई।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पधारे डा. ओमप्रकाश करुणेश ने कहा कि हमें चाहे कितनी भी भाषा में प्रवीणता हासिल कर ले लेकिन अपनी भाषा में काम करना हम गर्व से भर देता है। उन्होंने कहा कि हम भाषा रूपी मशीन के कलपुर्जे हैं, इसे सही ढंग से चलाने में हमारी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। भारत विविधताओं का देश है और इसमें भाषाओं की विविधता होना भर स्वाभाविक है। हमें देश की समस्त भाषाओं को सम्मान देना चाहिए।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि सन् 1953 से पूरे भारत में 14 सितम्बर हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। आज के इस शुभ अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में केवल हिन्दी दिवस का नहीं, बल्कि हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी भाषा में जो सुरीलापन है वह किसी अन्य भाषा में नहीं है। हमें अपनी भाषा का सम्मान करना चाहिए और हमें अपनी भाषा पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो राष्ट्र अपनी भाषा में काम करता है वह उन्नति के पथ पर अग्रसर होता है।

कार्यक्रम समन्वयक प्रो. रणवीर सिंह ने विश्वविद्यालय में 29 सितम्बर तक आयोजित होने वाले हिन्दी पखवाड़े की रूपरेखा बताते हुए कहा कि इस पखवाड़ा में विश्वविद्यालय के स्टॉफ, विद्यार्थियों, शोधार्थियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए स्कूली विद्यार्थियों के लिए कविता पाठ, स्लोगन, वक्तव्य, निबंध, एवं सुलेख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 29 सितम्बर को समापन समारोह में विजेताओं को प्रमाण-पत्रव पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. बीर सिंह, कुलसचिव रामदत्त, विभागों के विभागाध्यक्ष, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डा. अमित कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन पर्यावरण विभाग की सहायक आचार्य डा. मोना ने दिया।

नारनौल, (संतोष): गुरुवार को गणपति एजुकेशन एंड टैक्नोलॉजी संस्थान कारोली के प्रांगण में हिन्दी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में डी.एड. प्रथम वर्ष के राकेश कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर छात्र-अध्यापकों को सम्बोधित करते हुए गणपति शिक्षा समिति की अध्यक्षा सुमन यादव ने कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा ही नहीं अपितु मातृभाषा भी है। देश के विकास के लिए मातृभाषा का विकास अपरिहार्य है। इसके साथ ही अभिव्यक्ति का सबसे अच्छा माध्यम मातृभाषा ही है। जिस किसी देश ने अपनी भाषा को जितनी तवज्जो दी है उस देश ने उतना ही अधिक विकास किया है।

संस्थान की प्राचार्या डा. बिलोश देवी ने कहा आजादी के 6 दशक बाद भी हिन्दी को वो सम्मान नहीं मिला है।

इस अवसर पर एक निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित करवाई गई। प्रतियोगिता में डी.एड. प्रथम वर्ष के राकेश कुमार ने प्रथम इसी कक्षा की मिनाक्षी ने द्वितीय व बी.एड. के अनुरोध कुमार व बी.एड. के शिव कुमार दोनों तृतीय स्थान पर रहे। हिन्दी दिवस समारोह पर संस्थान के सहायक प्रो. विक्रम सिंह यादव, रजनी यादव, पूनम गुप्ता, पवन भारद्वाज तथा योगेश यादव ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कार्यालय सहायक श्योराज, लेखाकार भूपसिंह, बिजेंद्र तथा नवल किशोर सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

निबंध प्रतियोगिता में राकेश प्रथम

नारनौल,14 सितम्बर (पवन): गणपति एजुकेशन एंड टैक्नोलॉजी संस्थान कारोली के प्रांगण में हिन्दी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में डी.एड. प्रथम वर्ष के राकेश कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर छात्र-अध्यापकों को सम्बोधित करते हुए समिति की अध्यक्षा सुमन यादव ने कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा ही नहीं अपितु मातृभाषा भी है। देश के विकास के लिए मातृभाषा का विकास अपरिहार्य है। इसके साथ ही अभिव्यक्ति का सबसे अच्छा माध्यम मातृभाषा ही है। जिस किसी देश ने अपनी भाषा को जितनी तवज्जो दी है उस देश ने उतना ही अधिक विकास किया है। संस्थान की प्राचार्या डा. बिलोश देवी ने कहा आजादी के 6 दशक बाद भी हिन्दी को वो सम्मान नहीं मिला है। संविधान में हिन्दी को राष्ट्र भाषा एवं राजभाषा का दर्जा प्राप्त है लेकिन व्यवहार में हिन्दी भाषा को यह सम्मान आज तक नहीं मिला है। आज भी सरकारी कार्यालयों में कामकाज अंग्रेजी में ही होता है। इस अवसर पर एक निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित करवाई गई। प्रतियोगिता में डी.एड. प्रथम वर्ष के राकेश कुमार ने प्रथम इसी कक्षा की मीनाक्षी ने द्वितीय व बी.एड. के

'हमें हमारी मातृभाषा हिन्दी पर गर्व'

रेवाड़ी, 14 सितम्बर (वधवा): शहर के दिल्ली रोड स्थित आर.पी.एस. पब्लिक स्कूल में बृहस्पतिवार को हिन्दी दिवस पर विद्यार्थियों ने हिन्दी भाषा का महत्व कविता एवं भाषण द्वारा बताया। प्रधानाचार्य विक्रम यादव व प्रबंधन निदेशक विपिन शर्मा ने मातृभाषा को अपनाने व अपनी संस्कृति का सम्मान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हम दूसरी भाषाओं का सम्मान भी करें और अपनी मातृभाषा का सम्मान कभी कम न होने दें। इस मौके पर माध्यमिक विभाग के अध्यक्ष नरेश यादव भी मौजूद थे। आज ही स्कूल में वाहन चालक एवं परिचालक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसके संचालक मुकेश कुमार थे। उन्होंने यातायात के नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। शहर के राव गोपाल देव चौक स्थित यूनिक स्कूल में बृहस्पतिवार को हिन्दी दिवस मनाया गया। बच्चों ने भाषण व पोस्टरों के माध्यम से हिन्दी की विशेषताएं बताईं और हिन्दी का जीवन में कितना महत्व के बारे में प्रेरित किया।

भाषण देती छात्राएं व कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। (वधवा)

स्कूल निदेशक योगेंद्र राव ने कहा कि पूरे देश में 14 सितम्बर का दिन हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, नेपाल, मॉरीशस, बंगलादेश व सूरीनाम आदि में हिन्दी भाषा बोली जाती है। हिन्दी हमारी मातृभाषा हमें इस पर गर्व है। इस मौके पर प्रधानाचार्या संयोगिता यादव भी मौजूद थी।

धूमधाम से मनाया हिन्दी दिवस

नारनौल, 14 सितम्बर (पवन): एम.आर. पब्लिक स्कूल मित्रपुरा में हिन्दी दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। स्कूल में कई कक्षागत गतिविधियों व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दिन स्कूल का सारा कार्यक्रम हिन्दी भाषा में सम्पन्न हुआ। छात्रों व अध्यापकों ने आपस में हिन्दी में ही बातचीत की। सारा वातावरण राष्ट्रभाषा हिन्दी की विमल वाणी से पुनीत हो उठा। प्रात: काल 8 बजे स्कूल की प्राधानाचार्या अनीता की उपस्थिति में समूहगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सर्वप्रथम हिन्दी दिवस पर ममता पूनिया ने हिन्दी विषय के महत्व से अवगत करवाया व शुद्ध उच्चारण पर बल दिया।

इसी तरह कविता, पूनम, रेखा व मंजू ने भी हिन्दी दिवस पर अपने विचारों से अवगत करवाया। इस अवसर पर मुस्कान, यश, मनीषा ने कविता वाचन किया व साक्षी, पारुल व मोनिका ने भाषण दिए। इसके साथ ही विद्यालय में सुलेख व लेख प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इस प्रतियोगिता में चौथी कक्षा की छात्रा मानसी (अम्बेदकर हाऊस), कक्षा 5वीं से प्रीति व अमन (सुभाष हाऊस), छठी कक्षा से अंशु व भूमिका (टैगोर हाऊस) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

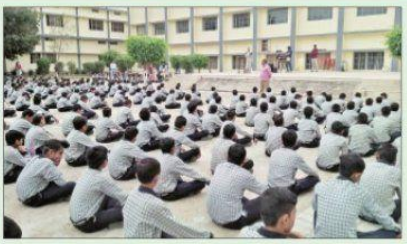

कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी। (पवन)

कार्य समापन पर स्कूल की प्राधानाचार्या अनीता ने हिन्दी दिवस का महत्व बताते हुए अपने विचार व्यक्त किए जिसमें उन्होंने हिन्दी उद्भव व विकास पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी को सशक्त भाषा के रूप में प्रगति की ओर ले जाने का संकेत दिया। उन्होंने बताया कि हिन्दी हम सबका अभिमान है हमें इस पर गर्व होना चाहिए। हिन्दी हमारी मातृभाषा हैं इसका प्रचार व प्रसार हमें ज्यादा से ज्यादा करना चाहिए। इस अवसर पर स्कूल का समस्त स्टाफ उपस्थिति रहा।